



वतिरति नवीकरणीय ऊर्जा हेतु नीतगित मसौदा

प्रलमिस के लयि:

नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य प्राप्त करने हेतु योजनाएँ और कार्यक्रम ।

मेन्स के लयि:

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में भारत की उपलब्धियाँ, भारत के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य, चुनौतियाँ और लक्ष्य प्राप्त करने हेतु पहलें ।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) ने 14 फरवरी, 2022 को वतिरति नवीकरणीय ऊर्जा (DRE) आजीविका अनुप्रयोगों हेतु एक मसौदा नीति ढाँचा जारी कयि है ।

- इसका उद्देश्य देश में वशेष रूप से उन ग्रामीण आबादी वाले क्षेत्रों में वकिंदरीकृत और वतिरति नवीकरणीय ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करना है, जहाँ बजिली की कम या पहुँच नहीं है ।

मसौदा नीति ढाँचे के प्रावधान:

- प्रगत की नगिरानी हेतु समति:
 - MNRE ने DRE परयोजनाओं की प्रगत की नगिरानी के लयि एक समति बनाने का प्रस्ताव रखा है, जसि की बैठक प्रत्येक छह महीने में कम-से-कम एक बार होगी ।
 - समति के भीतर, प्रत्येक सदस्य मंत्रालय अंतर-मंत्रालयी सहयोग के लयि संपर्क अधिकारी को नामति करेगा ।
- DRE-संचालति समाधानों का डजिटल कंटलॉग:
 - MNRE जागरूकता बढ़ाने के लयि वभिन्न हतिधारकों द्वारा उपयोग कयि जाने वाले DRE-संचालति समाधानों का एक डजिटल कंटलॉग उपलब्ध कराएगा ।

नए ढाँचे में उल्लखति मुख्य उद्देश्य:

- बाज़ार-उन्मुख पारसिथतिकी तंत्र को सक्रम करना ।
- अंतमि उपयोगकर्ता के लयि आसान वतिर को सक्रम करके DRE-आधारति आजीविका समाधानों को अपनाना ।
- उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के वकिस और प्रबंधन को प्रोत्साहति करना ।
- नवाचार के साथ-साथ अनुसंधान और वकिस के माध्यम से प्रभावी DRE आजीविका अनुप्रयोगों का वकिस करना ।
- उच्च क्षमता वाले आजीविका उत्पादों के लयि ऊर्जा दक्षता मानकों की स्थापना करना ।
- मुख्य ग्रडि के साथ-साथ हाइब्रिड मोड में संचालति मनी/माइक्रो-ग्रडि द्वारा संचालति अनुप्रयोगों का उपयोग करना ।

वतिरति अक्षय ऊर्जा का महत्व:

- डीआरई (DRE) और इसके डाउनस्ट्रीम एप्लीकेशन न केवल भारत के जलवायु और ऊर्जा पहुँच लक्ष्यों को पूरा करने का अवसर प्रदान करते हैं, बल्क वतितीय नविशकों को आकर्षक रटिरन भी प्रदान करते हैं ।
- यह भारत की कृत्र तेल पर आयात-निभरता को कम करने के साथ-साथ लंबे समय में आर्थिक वकिस और रोजगार सृजति करने का मार्ग भी प्रदान करता है ।
- इसके अलावा मौजूदा नीति और वतितीय अंतराल को संबोधति करने से न केवल सरकारी खर्च पर कार्यक्रमों के बेहतर लक्ष्यीकरण तथा ज़ोखमि-प्रतरिका की अनुमति मिलेगी, बल्क पूंजी को कुशलता से पुनर्नवीनीकरण करने की अनुमति मिलेगी जसिसे प्रभाव और परमिण दोनों में वृद्धि होगी ।

DRE से संबंधित मुद्दे:

- **प्रौद्योगिकी का अभाव:**
 - अपनी आजीविका में अक्षय ऊर्जा का उपयोग करने के लिये लोगों को प्रौद्योगिकी और वित्तपोषण तक पहुँच की आवश्यकता होती है जो भारत में अधिकांश ग्रामीण परिवारों के पास उपलब्ध नहीं है, जबकि छोटे पैमाने पर अक्षय ऊर्जा-आधारित आजीविका अनुप्रयोगों को लागू करने के लिये कई प्रौद्योगिकी विकल्प मौजूद हैं।
 - गाँवों में स्थानीय समुदायों को अक्सर इन नवाचारों हेतु अग्रिम भुगतान करना मुश्किल होता है।
- **महिलाओं के समक्ष भिन्न चुनौती:**
 - जब संपत्ति हासिल करने की बात आती है तो माइक्रोबज़िनेस, कम लोगों वाले समूह और महिलाओं को अलग प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। परिणामस्वरूप व्यवसाय जो परचालन व्यय-आधारित वित्तीय मॉडल पर आधारित होते हैं, जैसे- भुगतान, या लीजिंग, क्रेडिट सुविधा के लिये पात्र हो सकते हैं।
- **अन्य:**
 - उच्च वित्तपोषण चैनलों की कमी, उपभोक्ता जागरूकता, उपभोक्ता सामर्थ्य और गुणवत्ता वाले उत्पाद/मानक भारत में डीआरई के सामने आने वाली कुछ प्रमुख चुनौतियाँ हैं।

आगे की राह

- **अंतिम-उपयोगकर्ता और कॉर्पोरेट वित्तपोषण:** वित्तीय संस्थान ऐसे वित्तपोषण विकल्प विकसित करने पर विचार कर सकते हैं जिनमें संपार्श्विक की आवश्यकता नहीं होती है। अन्य राज्य नोडल एजेंसियाँ जैसे- राज्य ग्रामीण आजीविका मशिन, महिला स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को वित्तीय सहायता देने के लिये अपने मौजूदा संस्थागत ढाँचे का उपयोग कर सकती हैं।
- **अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम आजीविका दोनों को ध्यान में रखना:** अपस्ट्रीम आजीविका स्थानीय वननिर्माण और तकनीकी सेवा प्रदाताओं को DRE सिस्टम को डिज़ाइन, स्थापित और बनाए रखने के लिये प्रभावित करती है।
- **जागरूकता को बढ़ावा देना:** जागरूकता अभियान अंतिम उपयोगकर्ताओं और वित्तपोषकों द्वारा इन उत्पादों के प्रति विश्वास और उन्हें अपनाने में मदद करेंगे, क्योंकि ये प्रौद्योगिकियाँ कई उपभोक्ताओं के लिये नई हैं।

स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/draft-policy-framework-for-distributed-renewable-energy>

